फिर से याद करें

www.evidyarthi.in

प्रश्न 1. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ :

गढ़	खेल
टांडा	चौरासी
श्रमिक	कारवाँ
कुल	गढ़ कटंगा
सिब सिंह	अहोम राज्य
दुर्गावती	पाइक

www.evidyarthi.in

उत्तर-

गढ़	–	चौरासी
टांडा	–	कारवाँ
श्रमिक	–	पाइक
कुल	–	खेल
सिब सिंह	–	अहोम राज्य
दुर्गावती	–	गढ़ कटंगा

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

(क) वर्गों के भीतर पैदा होती नयी जातियाँ ..... कहलाती थीं।

(ख) ..... अहोम लोगों के द्वारा लिखी गई ऐतिहासिक कृतियाँ थीं।

(ग) ..... ने इस बात का उल्लेख किया है कि गढ़ कटंगा में 70,000 गाँव थे।

(घ) बड़े और ताकतवर होने पर जनजातीय राज्यों ने ..... और ..... को भूमि-अनुदान दिए।

www.evidyarthi.in

उत्तर-

(क) श्रेणियाँ

(ख) बुरंजी

(ग) अकबरनामा

(घ) मंदिर बनवाए, ब्राह्मणों।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. सही या गलत बताइए :

(क) जनजातीय समाजों के पास समृद्धवाचक परंपराएँ थीं।

(ख) उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग में कोई जनजातीय समुदाये नहीं था।

www.evidyarthi.in

(ग) गोंड राज्यों में अनेक नगरों को मिलाकर चौरासी बनता था।

(घ) भील, उपमहाद्वीप के उत्तर-पूर्वी भाग में रहते थे।

www.evidyarthi.in

उत्तर-

(क) सही

(ख) गलत

(ग) गलत

(घ) गलत।।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. खानाबदोश पशुचारकों और एक जगह बसे हुए खेतिहरों के बीच किस तरह का विनिमय होता था?

उत्तर- खानाबदोश चरवाहों ने अनाज, कपड़ा, बर्तन और अन्य उत्पादों के लिए बसे हुए किसानों के साथ ऊन, घी आदि का आदान-प्रदान किया।

www.evidyarthi.in

उत्तर- खानाबदोश पशुचारकों और खेतिहरों के बीच वस्तु विनिमय होता था, जिसके तहत एक वस्तु को देकर दूसरे वस्तु को प्राप्त करना होता था। खानाबदोश चरवाहे अपने जानवरों के साथ दूर-दूर तक घूमते थे। उनका जीवन दूध और अन्य पशुचारी उत्पादों पर निर्भर था। खानाबदोशी चरवाहे गृहस्थों से अनाज, कपडे, बर्तन और ऐसी ही चीज़ों के बदले ऊन, घी, दूध दिया करते थे। कुछ खानाबदोश रास्ते में पड़ने वाले गाँवों और नगरों में सामानों की खरीद-फरोख्त भी करते थे।

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

आइए समझते हैं

www.evidyarthi.in

प्रश्न 5. अहोम राज्य का प्रशासन कैसे संगठित था?

उत्तर- अहोम राज्य बंधुआ मजदूरी पर निर्भर था। राज्य के लिए काम करने वालों को पाइक कहा जाता था।

www.evidyarthi.in

जनसंख्या की जनगणना की गई। प्रत्येक गाँव को बारी-बारी से कई पाइक भेजने पड़ते थे। घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लोगों को कम आबादी वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया। इस प्रकार अहोम कुल टूट गए। 17वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक प्रशासन काफी केंद्रीकृत हो गया था।

www.evidyarthi.in

उत्तर- अहोम प्रशासन को संगठन निम्न प्रकार से संगठित था

1. सत्रहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक अहोम प्रशासन केन्द्रीकृत हो चुका था।
2. अहोम समाज कुलों में विभाजित था। बाद में कुलों में एकता भंग हो गई।
3. एक कुल (खेल) के नियंत्रण में प्रायः कई गाँव होते थे। किसान को अपने ग्राम समुदाय के द्वारा जमीन दी जाती थी। समुदाय की सहमति के बगैर राजा तक इसे वापस नहीं ले सकता था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. वर्ण आधारित समाज में क्या परिवर्तन आए?

उत्तर- वर्ण-आधारित समाज में निम्नलिखित परिवर्तन हुए:

1. वर्णों के भीतर छोटी जातियों या जातियों का उदय हुआ।

2. दूसरी ओर, कई जनजातियों और सामाजिक समूहों को जाति-आधारित समाज में ले जाया गया और उन्हें जातियों का दर्जा दिया गया।

www.evidyarthi.in

3. विशिष्ट कारीगरों जैसे लोहार, बढ़ई और राजमिस्त्री को भी ब्राह्मणों द्वारा अलग-अलग जातियों के रूप में मान्यता दी गई थी।

4. वर्ण के स्थान पर जातियाँ समाज को संगठित करने का आधार बनीं।

5. क्षत्रियों में नए राजपूत कुल शक्तिशाली हो गए।

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

ब्राह्मण (प्रभुत्व)

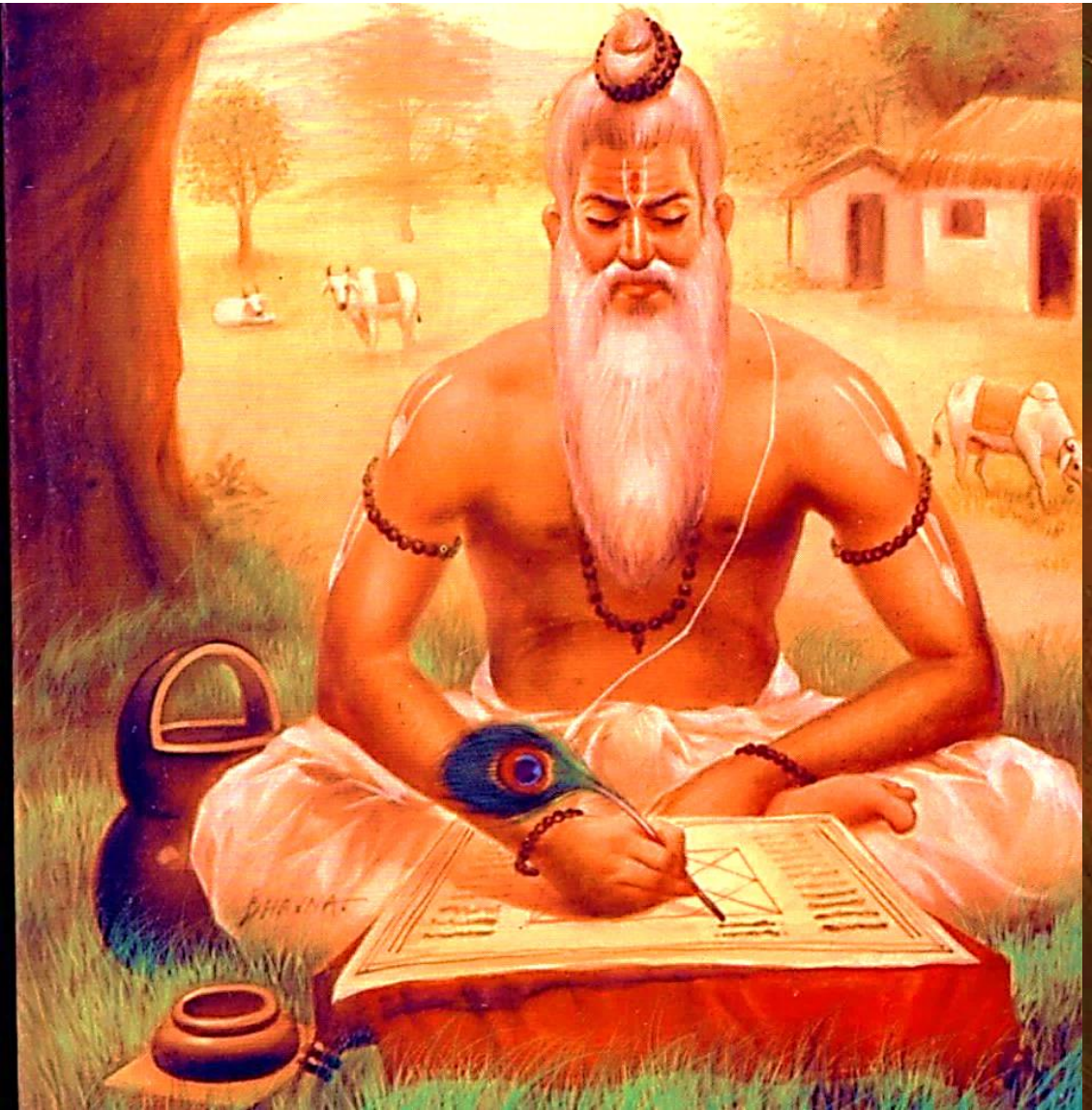

नए क्षत्रिय वंश शक्तिशाली हुए

www.evidyarthi.in

6. कई जनजातियां जाति व्यवस्था का हिस्सा बन गईं। लेकिन केवल प्रमुख आदिवासी परिवार ही शासक वर्ग में शामिल हो सकते थे। एक बड़ा बहुमत जाति समाज की निचली जातियों में शामिल हो गया।

7. पंजाब, सिंध और उत्तर-पश्चिम सीमांत की कई प्रमुख जनजातियों ने इस्लाम अपना लिया था। वे जाति-व्यवस्था को नकारते रहे।

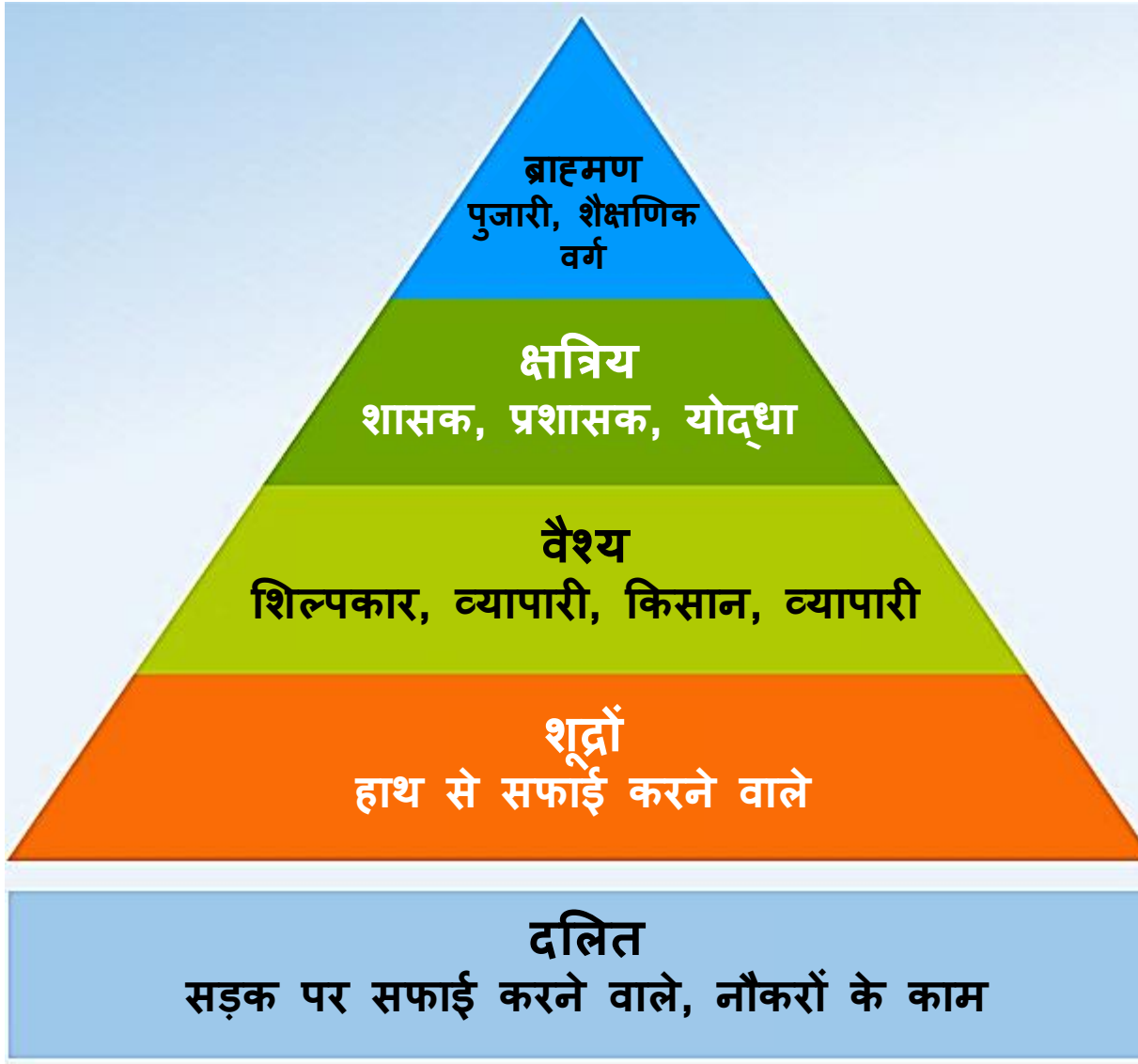

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. एक राज्य के रूप में संगठित हो जाने के बाद जनजातीय समाज कैसे बदला?

उत्तर- बड़े राज्यों के उदय ने आदिवासी समाजों की प्रकृति को बदल दिया। इसे हम दो उदाहरणों की मदद से समझ सकते हैं- गोंड समाज और अहोम समाज।

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

गोंड

अहोम

www.evidyarthi.in

उत्तर-

1. गोंड सोसायटी। उनका मूल रूप से समान समाज धीरे-धीरे असमान सामाजिक वर्गों में विभाजित हो गया। ब्राह्मणों को गोंड राजाओं से भूमि अनुदान प्राप्त हुआ और वे अधिक प्रभावशाली हो गए। गोंड प्रमुख अब राजपूत के रूप में पहचाने जाने की कामना करते थे। इसलिए, गढ़ कटंगा के गोंड राजा अमन दास ने 'संग्राम शाह' की उपाधि धारण की।

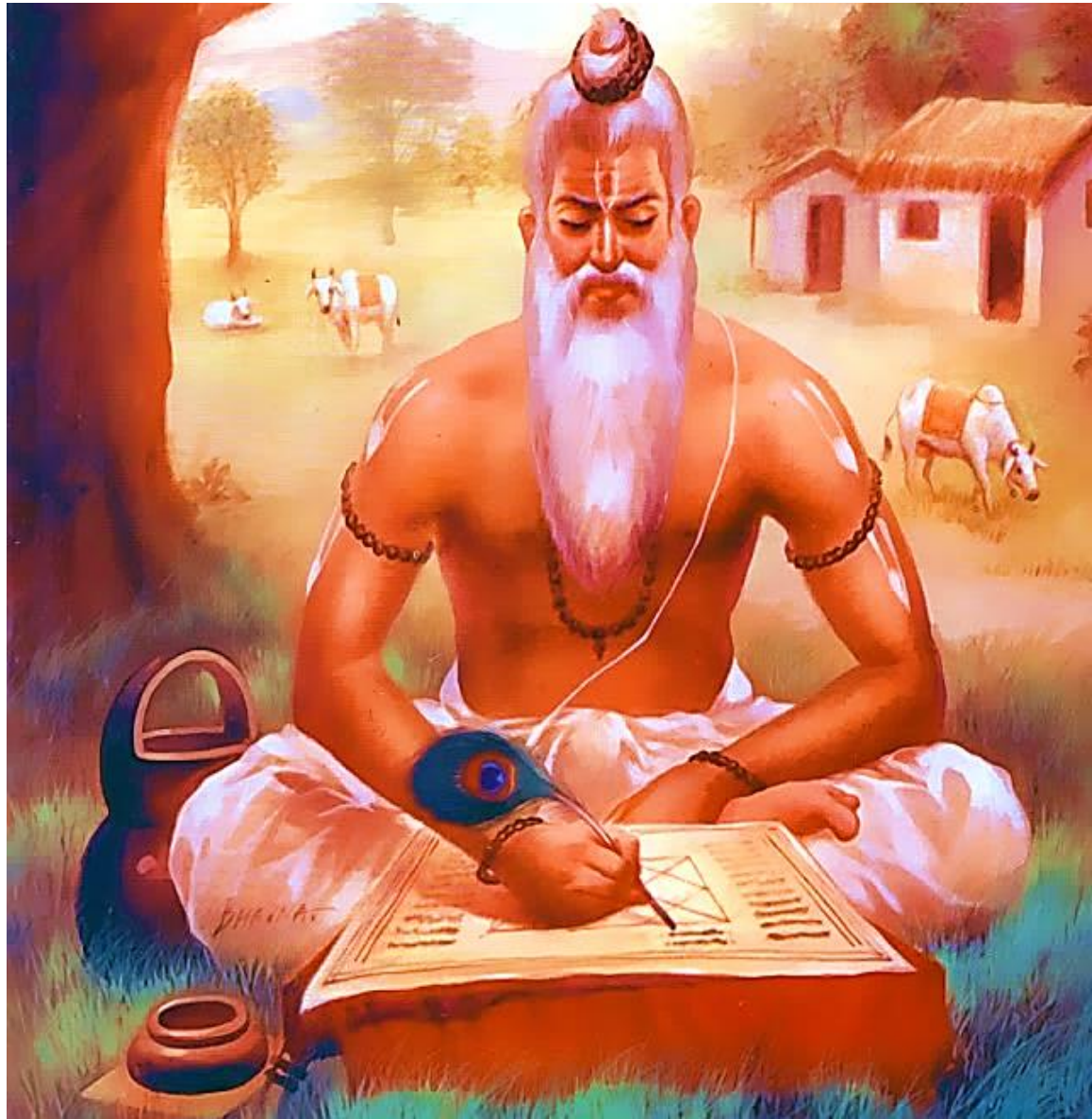

www.evidyarthi.in

2. अहोमों ने एक बड़े राज्य का निर्माण किया जिससे अहोम समाज में अनेक परिवर्तन हुए। ब्राह्मणों का प्रभाव बढ़ा। राजा द्वारा मंदिरों और ब्राह्मणों को भूमि प्रदान की गई। सिब सिंह के शासनकाल में, हिंदू धर्म प्रमुख धर्म बन गया। लेकिन अहोम राजाओं ने हिंदू धर्म अपनाने के बाद अपनी पारंपरिक मान्यताओं को पूरी तरह से नहीं छोड़ा।

www.evidyarthi.in

आइए चर्चा करें

प्रश्न 7. क्या बंजारे लोग अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण थे?

उत्तर- बंजारे अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। वे व्यापारी-खानाबदोश थे और व्यापार और वाणिज्य को नियंत्रित करते थे। उन्होंने अनाज को शहर के बाजारों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

www.evidyarthi.in

वे आम तौर पर अनाज वहीं खरीदते थे जहां यह सस्ता मिलता था और इसे उन जगहों पर ले जाते थे जहां यह अधिक महंगा होता था। वहाँ से, उन्होंने फिर से अपने बैलों को ऐसी किसी भी चीज़ से लाद दिया जिसे अन्य स्थानों पर लाभप्रद रूप से बेचा जा सकता था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 9. गोंड लोगों का इतिहास, अहोमों के इतिहास से किन मायनों में भिन्न था? क्या कोई समानता भी थी?

उत्तर- गोंडों का इतिहास निम्नलिखित तरीकों से अहोमों से भिन्न था:

1. गोंड गोंडवाना नामक एक विशाल वनाच्छादित क्षेत्र में रहते थे। अहोम 13वीं शताब्दी में वर्तमान म्यांमार से ब्रह्मपुत्र घाटी में चले गए।

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

गोंड

अहोम